न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशान ऑफ इंडिया लिमिटेड
NUCLEAR POWER CORPORATION OF INDIA LIMITED
(भारत सरकार का उद्यम)
(A Government of India Enterprise)
Narora Atomic Power Station
नरोरा परमाणु विद्युत केंद्र
पोस्टः एन.ए.पी.पी. टाउनशिप, नरोरा बुलंदशहर, उ.प्र. – 203 389
PO: NAPP Township, Narora, Bulandshahr, UP – 203389
दूरभाष Phone: 05734-222103 इंटरकॉम Intercom: 4719 फैक्स FAX: 05734-222112
ई–मेल e-mail: dschoudhary@npcil.co.in

पंजीकृत कार्यालय Registered Office
16वां तल 16th Floor,
विश्व व्यापार केंद्र World Trade Centre
कफे परेड Cuffe Parade,
कोलाबा Colaba
मुम्बई Mumbai – 400 005
सी.आई.एन. सं० : U40104MH1987GO1149458
CIN No. U40104MH1987GO1149458
वेबसाइट : www.npcil.nic.in
Website : www.npcil.nic.in

प्रेस विज्ञप्ति
(14.12.2015)

नरौरा परमाणु विद्युत केंद्र (न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशान ऑफ इंडिया लिमिटेड) द्वारा पर्यावरण परिचर्या कार्यक्रम के तहत नरौरा बैराज से बृजघाट तक गंगा नदी मे जीवों का सर्वेक्षण।

नरौरा पौराणिक महत्व की नदी गंगा के किनारे देश की राजधानी दिल्ली से 150 किलोमीटर दूर स्थित है। नरौरा न्यूक्लीयर पावर कारपोरेशन आफ इंडिया के दो परमाणु इकाई के साथ ये क्षेत्र महत्वपूर्ण पक्षियों एवं रामसर साइट के लिये प्रसिद्व है। गंगा नदी के नरौरा बैराज से बृजघाट तक का क्षेत्र रामसर साइट कहा जाता है। रामसर साइट का अर्थ है कि ये क्षेत्र विश्व के अति महत्वपूर्ण वेटलैंड की सूची में शामिल है। रामसर साइट की घोषणा सन् 2005 में हुई थी ओर इसकी सूची संख्या 1574 है। गंगा में पाये जाने वाली सूंस (गांगेय डॉल्फिन) की वजह से ये क्षेत्र रामसर सूची में शामिल है। यहॉ 200 से अधिक प्रकार के पक्षी 06 प्रकार के कछुए एवं घड़ियाल पाये जाते हैं। शीत ऋतु में यहॉ विभिन्न प्रकार के प्रवासी पक्षी विहार करते हैं, जो कि मध्य एशिया एवं यूरोप से आते हैं। अपने आस–पास के क्षेत्र में पाये जाने वाले जीव जन्तुओं का अध्ययन नरौरा परमाणु बिजली घर के पर्यावरण परिचर्या कार्यक्रम के स्वयंसेवक करते रहते हैं। इनमें मोरों की गणना, बिजली घर के अपवर्जन क्षेत्र में पक्षियों की गणना, प्रतिवर्ष वर्ड मैराथन के रूप में जनवरी–फरवरी माह में प्रवासी एवं अन्य पक्षियों की गणना शामिल है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से दो प्रकार की कछुओं का पालन और उसे गंगा नदी में छोड़ना भी शामिल है।

अभी हाल मे पर्यावरण परिचर्या कार्यक्रम के तहत 08.12.2015 से 10.12.2015 तक नरौरा बैराज से बृजघाट तक की गंगा नदी का सर्वेक्षण किया गया। इस क्षेत्र में पायी जाने वाले प्रवासी–अप्रवासी पक्षी, कछुए एवं सूंस इत्यादि की संख्या का आंकलन एवं इनका फैलाव आंकना इस सर्वेक्षण का मूल उद्वेश्य था। मोटर बोट द्वारा की गयी इस सर्वेक्षण में नरौरा परमाणु बिजली घर के स्वयंसेवकों के अलावा अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी, टर्टल सरवाइविल एलाइंस, वाइल्ड बर्ड प्रोटेक्शन सोसाइटी एवं इस क्षेत्र के जानकार लोगों ने भाग लिया। त्रि–दिवसीय इस सर्वेक्षण में गंगा नदी पर निर्भर रहनेवाली पक्षियों की गणना की गयी। कछुए के विश्रामगाह एवं अण्डे देने की संभावित जगह की खोज की गयी ओर साथ में सूंस (गांगेय डॉल्फिन) की भी गणना की गयी।

इस तीन दिन के सर्वेक्षण में 69 प्रजाति के जलीय पक्षी पाये गये जिनकी कुल गणना 5306 थी। कई प्रकार के प्रवासी पक्षियों में प्रमुख रूप से निम्नलिखित प्रजाति उल्लेखनीय है।

1. कॉमन क्रेन – रूस एवम मध्य एशिया से आगमन (50 की संख्या में)
2. बर हेडेड गूज – मध्य एशिया एवम मंगोलिया से आगमन (650 की संख्या में)
3. रूडी शेलडक – मध्य एशिया एवम मंगोलिया से आगमन (750 की संख्या में)
4. टफ्टेड डक – यूरोप से आगमन (400 की संख्या में)
5. गैडवाल – यूरोप, मध्य एशिया से आगमन (300 की संख्या में)

कम संख्या में पाये जाने वाले एवं खतरे के निशान के करीब पहुँचने वाली कई पक्षियों जैसे ऑरियेन्टल डरटर, रिवर टर्न, ब्लैक बेलीड टर्न, रिवर लैपविंग, कॉमन पोचर्ड, यूरेशियन कर्लियु, इजिप्शियन वल्चर, इंडियन स्किमर, सारस क्रेन, पेंटेड स्टॉर्क, ब्लैक नेक स्टॉर्क, वूलीनेक स्टॉर्क की उपस्थिति भी दर्ज की गई। साथ में 6 प्रकार के कछुए ओर 18 सूंस (गांगेय डॉल्फिन) भी इस दौरान दर्ज की गयी।

14-12-15

(दिलबाग सिंह चौधरी)
केंद्र निदेशक